प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा - दसवीं

Sample Paper - 5

निर्धारित समय :3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

व्यक्ति चित्त सब समय आदर्शों द्वारा चालित नहीं होता। जितने बड़े पैमाने पर मनुष्य की उन्नति के विधान बनाए गए, उतनी ही मात्रा में लोभ, मोह जैसे विकार भी विस्तृत होते गए, लक्ष्य की बात भूल गए, आदर्शों को मज़ाक का विषय बनाया गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है। यह कुछ थोड़े-से लोगों के बढ़ते हुए लोभ का नतीजा है, परंतु इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे हैं। भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो धर्मभीरू हैं, वे भी त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते।
इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर-बाहर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म कानून से बड़ी चीज़ है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए हैं। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को गलत समझता है, दूसरों को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है।

(i) मनुष्य ने आदर्शों को मज़ाक का विषय किस कारण बना लिया-

क) धर्मभीरुता | ख) उन्नति

ग) कानून | घ) लोभ

(ii) धर्म एवं कानून के संदर्भ में भारत के विषय में कौन-सा कथन सबसे अधिक **सही** है:-

क) भले लोगों के लिए कानून नहीं चाहिए और बुरे इसकी परवाह नहीं करते हैं। | ख) महिलाओं का सम्मान धर्म तो है, पर कानून नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) धर्म और कानून दोनों को धोखा दिया जा सकता है।

घ) भारत का निचला वर्ग कदाचित अभी भी कानून को धर्म के रूप में देखता है।

(iii) भारतवर्ष में सेवा और सच्चाई के मूल्य-

क) परमार्थ के लिये जीवन की बाजी लगाने वाले यह सिद्ध करते हैं कि यह व्यक्ति के मन को अभी भी नियंत्रित कर रहे हैं।

ख) न्यायालयों में कानून की सत्याभासी धाराओं में उलझ कर रह गये हैं।

ग) जीवन में उन्नति के बड़े पैमाने के कारण कहीं छिप से गये हैं।

घ) मनुष्य की समाज पर निर्भरता में कमी होने के कारण इनमें ह्रास हुआ है।

(iv) भारतवर्ष का बड़ा वर्ग बाहर-भीतर कदाचित या अनुभव कर रहा है?

क) आदर्श और उसूलों से यथार्थ जीवन असंभव है।

ख) संयम अशक्त और अकर्मण्य लोगों के लिये है।

ग) धर्म, कानून से बड़ी चीज़ है।

घ) कानून, धर्म से बड़ी चीज़ है।

(v) **कथन (A):** आज भी धर्म कानून से बड़ा है।
कारण (R): सेवा, ईमानदारी, सच्चाई जैसे गुण आज भी समाज की पहचान बने हुए हैं।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

चंपारण सत्याग्रह के बीच जो लोग गांधी जी के संपर्क में आए वे आगे चलकर देश के निर्माताओं में गिने गए। चंपारण में गांधी जी न सिर्फ सत्य और अहिंसा का सार्वजनिक हितों में प्रयोग कर रहे थे बल्कि हलुवा बनाने से लेकर सिल पर मसाला पीसने और चक्की चलाकर गेहूँ का आटा बनाने की कला भी उन बड़े वकीलों को सिखा रहे थे, जिन्हें गरीबों की अगुवाई की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी। अपने इन आध्यात्मिक प्रयोगों के माध्यम से वे देश की गरीब जनता की सेवा करने और उनकी तकदीर बदलने के साथ देश को आजाद कराने के लिए समर्पित व्यक्तियों की एक ऐसी जमात तैयार करना चाह रहे थे जो सत्याग्रह की भट्ठी में उसी तरह तपकर निखरे, जिस तरह भट्ठी में सोना तपकर निखरता और कीमती बनता है।
गांधी जी की मान्यता थी कि एक प्रतिष्ठित वकील और हज़ामत बनाने वाले हज़्ज़ाम में पेशे के लिहाज़ से कोई फ़र्क नहीं, दोनों की हैसियत एक ही हैं। उन्होंने पसीने की कमाई को सबसे अच्छी कमाई माना और शारीरिक श्रम को अहमियत देते हुए उसे उचित प्रतिष्ठा व सम्मान दिया था। कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं, इस

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मान्यता को उन्होंने प्राथमिकता दी ताकि साधन शुद्धता की बुनियाद पर एक ठीक समाज खड़ा हो सके। आज़ाद हिंदुस्तान आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और आत्म-सम्मानित देश के रूप में विश्व-बिरादरी के बीच अपनी एक खास पहचान बनाए और फिर उसे बरकरार भी रखे।

(i) किसी काम या पेशे के बारे में गांधी जी की मान्यता क्या थी?

क) हर काम बड़ा छोटा होता है

ख) कोई काम छोटा नहीं

ग) कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं

घ) कोई काम बड़ा नहीं

(ii) गांधी जी सबसे अच्छी कमाई किसे मानते थे?

क) कमाकर लाने को

ख) मेहनत की कमाई को

ग) प्रतिष्ठित कमाई को

घ) काम करने को

(iii) गांधी जी ने किसे अहमियत दी है?

क) सार्वजानिक हितों को

ख) शारीरिक श्रम को

ग) सत्याग्रह को

घ) मनुष्य को

(iv) गांधी जी किसकी बुनियाद पर एक अच्छा समाज खड़ा करना चाहते थे?

क) साधन शुद्धता की

ख) परिश्रम की

ग) सत्य की

घ) शुद्धता की

(v) गाँधीजी की मान्यता थी कि-

i. पसीने की कमाई ही सबसे अच्छी कमाई है
ii. शारीरिक श्रम सबसे महत्वपूर्ण है
iii. गरीबी सबसे बड़ा अभिशाप है
iv. कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता

क) कथन ii, iii व iv सही हैं

ख) कथन i, ii व iv सही हैं

ग) कथन ii सही है

घ) कथन i, ii व iii सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **तुम मुझे अपने जन्म का समय और स्थान बताओ।** मिश्र वाक्य में बदलिए-

क) तुम मुझे अपने जन्म और स्थान के विषय में बताओ।

ख) तुम मुझे अपने जन्म के बारे में बताओ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) मुझे बताओ कि तुम्हारा जन्म कब और कहाँ हुआ था।

घ) तुम मुझे अपने जन्मस्थान को बताओ।

(ii) मैं अकेला था और चार गुंडों ने मुझे पीटा। (मिश्र वाक्य)

क) मैं अकेला था और चार गुंडों ने मुझे पीटा और लूट लिया।

ख) जब मैं अकेला था तब मुझे चार गुंडों ने पीटा।

ग) मैं अकेला था जिस कारण चार गुंडों ने मुझे पीटा।

घ) क्यूंकि मैं अकेला था इसलिए चार गुंडों ने मुझे पीटा और लूट लिया।

(iii) **बच्चे आए हैं और खेल रहे हैं।** वाक्य-रचना की दृष्टि से है-

क) मिश्र वाक्य

ख) सरल वाक्य

ग) संयुक्त वाक्य

घ) सामान्य वाक्य

(iv) बीमार लड़का घर चला गया। (संयुक्त वाक्य)

क) जो लड़का बीमार था, वह घर चला गया।

ख) क्योंकि लड़का बीमार था इसलिए वह घर चला गया।

ग) लड़का बीमार होने के कारण घर चला गया।

घ) लड़का बीमार था इसलिए वह घर चला गया।

(v) **मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि मुझे छुट्टी दी जाए।** सरल वाक्य में बदलिए-

क) मेरे छुट्टी की प्रार्थना स्वीकार कर लीजिए।

ख) मैं आपसे छुट्टी के लिए प्रार्थना करता हूँ।

ग) छुट्टी के लिए मैं सबसे पहले अर्जी किया था।

घ) मुझे छुट्टी की बहुत ही जरूरत है।

4. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) शैलेन्द्र ने राजकपूर की भावनाओं को **<u>शब्द दिए हैं</u>**। वाक्य में रेखांकित पदबंध है

क) सर्वनाम पदबंध

ख) क्रिया पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध

घ) विशेषण पदबंध

(ii) **<u>मेरे बचपन का साथी रमेश</u>** डॉक्टर है। रेखांकित में पदबंध है-

क) विशेषण पदबंध

ख) क्रिया विशेषण पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध

घ) सर्वनाम पदबंध

(iii) **<u>राकेश बहुत जोरों से हँसता हुआ</u>** जा रहा था। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) सर्वनाम पदबंध   ख) संज्ञा पदबंध

ग) क्रियाविशेषण पदबंध   घ) विशेषण पदबंध

(iv) इनाम में प्राप्त पैसे उसने जुए में गवां दिए। वाक्य में पदबंध है-

क) संज्ञा पदबंध   ख) क्रिया-विशेषण पदबंध

ग) क्रिया पदबंध   घ) सर्वनाम पदबंध

(v) सीता माता बिना किसी स्वार्थ के **भगवान् राम के साथ** वनवास काटने जंगल चली गई। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) संज्ञा पदबंध   ख) क्रिया पदबंध

ग) अव्यय पदबंध   घ) विशेषण पदबंध

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) नीलकंठ

क) नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव - कर्मधारय समास   ख) कंठ में नील - कर्मधारय समास

ग) नीला है जो कंठ - कर्मधारय समास   घ) कंठ जो नील के समान है - कर्मधारय समास

(ii) साफ़ - साफ़ - शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

क) साफ़ होने वाला - समास विग्रह कर्मधारय समास - समास का नाम   ख) सफाई के अनुसार - समास विग्रह द्वंद्व समास - समास का नाम

ग) जितना साफ हो - समास विग्रह अव्ययीभाव समास - समास का नाम   घ) बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह अव्ययीभाव समास - समास का नाम

(iii) **कमलनयन** में कौन-सा समास है?

क) द्वन्द्व समास   ख) अव्ययीभाव समास

ग) कर्मधारय समास   घ) तत्पुरुष समास

(iv) लंबोदर

क) लंबा है जो उदर - बहुब्रीहि   ख) लंबा उदर - बहुब्रीहि

ग) लंबा है उदर जिसका अर्थात गणेश - बहुब्रीहि   घ) लंबे उदर वाला - तत्पुरुष समास

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v) **विद्यार्थी** में कौन-सा समास है?

क) तत्पुरुष — ख) द्विगु

ग) बहुव्रीहि — घ) कर्मधारय

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) वामीरो का मधुर गायन सुनकर तताँरा __________ रह गया।

क) चकित रह जाना — ख) हक्का-बक्का रह जाना

ग) भौंचक्का रह जाना — घ) दंग रह जाना

(ii) बच्चों की ज़रा-सी शरारत पर विवेक ने __________। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) नाकों चने चबवा दिए — ख) पीठ दिखा दी

ग) घर सिर पर उठा लिया — घ) हवाई किले बना लिए

(iii) सड़क पर गाड़ी तेज़ चलाने का मतलब है __________ कब दुर्घटना हो जाए भरोसा नहीं। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) घड़ों पानी पड़ना — ख) सिर पर तलवार लटकना

ग) आकाश से तारे तोड़ना — घ) अपने पाँवों पर कुल्हाड़ी मारना

(iv) हरिहर काका की संपत्ति पर उसके भाई __________ जमाए बैठे थे।

क) गिद्ध दृष्टि — ख) कड़ी नज़र

ग) नज़र लगाए — घ) नज़र उठाए बैठे

(v) नाविक ने मोहन को उमड़ती हुई नदी पार कराने का __________ है। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) बीड़ा न उठाना — ख) बीड़ा उठाना

ग) बीड़ा फेंकना — घ) बीड़ा माँगना

(vi) इतना रुपया व्यर्थ करना ठीक नहीं, यह तो तुम्हारे पिताजी की ______है |

क) कड़ी कमाई — ख) व्यर्थ कमाई

ग) गाढ़ी कमाई — घ) काली कमाई

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) **जब मैं था तब हरि नहीं** -इस पंक्ति में **मैं** का क्या तात्पर्य है?

क) कवि
ख) स्वयं
ग) अहंकार
घ) पंडित

(ii) मीराबाई का जन्म कब और कहाँ हुआ?

क) सन् 1603 में, जयपुर के चोमू गाँव में
ख) सन् 1503 में, जोधपुर के कुड़की गाँव में
ग) सन् 1503 में, जैसलमेर के भांडली गाँव में
घ) सन् 1503 में, चित्तोड़गढ़ के गंगरार गाँव में

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) **ज़मीन पर खून की लकीर खींचने** का क्या तात्पर्य है?

क) हिंसा और खून-खराबा करना
ख) बलिदान देकर शत्रु को रोकना
ग) अपने खून से धरती को सींचना
घ) खून की नदियाँ बहाना

(ii) पद्यांश में **रावण** किसका प्रतीक है?

क) गद्दारों का
ख) राक्षसों का
ग) बुराइयों का
घ) शत्रुओं का

(iii) पद्यांश की पृष्ठभूमि में कौन-सी ऐतिहासिक घटना है?

क) भारत-पाक युद्ध
ख) भारत-चीन युद्ध
ग) भारतीय स्वाधीनता संग्राम
घ) भारत-बांग्लादेश युद्ध

(iv) **सीता का दामन** से क्या तात्पर्य है?

क) भारतीय सांस्कृतिक परंपरा
ख) देश का स्वाभिमान
ग) मातृभूमि का सम्मान
घ) देवी-देवताओं की मर्यादा

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. कवि ने दुश्मन को रावण के रूप में चित्रित किया है।
ii. यह एक काल्पनिक गीत है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. इस देश को सीता के रूप में चित्रित किया गया है।
iv. देश को बचाने के लिए राम और लक्ष्मण का आह्वान किया जा रहा है।
v. देश की सीमा पर अपने खून से लकीर खींचने की बात की जा रही है।
पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (i), (iii), (iv) ख) सभी विकल्प सही हैं।

ग) (i), (iii), (v) घ) (ii), (iii), (v)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **तीसरी कसम** फ़िल्म किस की कहानी पर बनी थी?

क) शैलेंद्र के ख) जयशंकर प्रसाद के

ग) प्रेमचंद्र के घ) फणीश्वरनाथ रेणु की

(ii) पतझर में टूटी पत्तियाँ पाठ के अनुसार कौन लोग लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं? [गिन्नी का सोना]

क) राजनीतिक लोग ख) आदर्शवादी लोग

ग) सामाजिक लोग घ) व्यवहारवादी लोग

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बाइबिल के सोलोमन जिन्हें कुरआन में सुलेमान कहा गया है, ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे। कहा गया है, वह केवल मानव जाति के ही राजा नहीं थे, सारे छोटे बड़े पशु-पक्षी के भी हाकिम थे। वह इन सबकी भाषा भी जानते थे। एक दफा सुलेमान अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुजर रहे थे। रास्ते में कुछ चीटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज सुनी तो डर कर एक-दूसरे से कहा, **आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चलो, फ़ौज आ रही है।** सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए और चीटियों से बोले, **घबराओ नहीं, सुलेमान को खुदा ने सबका रखवाला बनाया है। मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ, सबके लिए मुहब्बत हूँ।**
चीटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और सुलेमान अपनी मंजिल की ओर बढ़ गए।

(i) सुलेमान सबके राजा थे। कैसे?

क) वे मनुष्य और पशु-पक्षियों के रखवाले थे ख) वह पूरी मानव जाति के राजा थे

ग) वह सब पर जुल्म करते थे घ) वे युद्ध लड़ते थे

(ii) खुदा ने सुलेमान को किसका रखवाला बनाया था?

क) मानव जाति का ख) सारे जीव-जंतुओं का

ग) अपने परिवार का घ) चीटियों का

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): चींटियों ने अपने लिए ईश्वर से दुआ माँगी।
कारण (R): सुलेमान चींटियों की बात सुनकर रुक गए।

क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(iv) चीटियाँ क्यों डर गईं?

क) घोड़े के टाप की आवाज से

ख) फौज के आने का सुनकर

ग) रखवाले को देखकर

घ) सुलेमान को देखकर

(v) सुलेमान ने चीटियों की बात क्यों सुन ली?

क) क्योंकि वे चीटियों की भाषा जानते थे

ख) क्योंकि चीटियाँ जोर से बात कर रहीं थी

ग) क्योंकि वे सबके लिए मुसीबत थे

घ) क्योंकि खुदा ने उनको सबका रखवाला बनाया था

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

(ii) कवि रवींद्रनाथ ठाकुर ईश्वर से दुःख कम करने की प्रार्थना नहीं करते। वे उनसे क्या माँगते हैं और क्यों?

(iii) पर्वतीय प्रदेश में कुछ पेड़ पहाड़ पर उगे हैं तो कुछ शाल के पेड़ पहाड़ के पास। इन दोनों स्थान के पेड़ों के सौंदर्य में अंतर पर्वत प्रदेश में पावस कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) कक्षा में प्रथम आने पर छोटे भाई के स्वभाव में क्या परिवर्तन आ गया था? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर लिखिए |

(ii) वज़ीर अली की अदम्य शक्ति व दृढ़ता का परिचय किस प्रकार मिलता है?

(iii) 26 जनवरी, 1931 को सुभाष बाबू की भूमिका क्या थी? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया की पहुँच होती, तो उनकी क्या स्थिति होती? अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) नई श्रेणी में जाने और नई कॉपियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था? सपने के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) घर में ले देकर बूढ़ी नौकरानी सीता थी जो उसका दुःख-दर्द समझती थी। तो वह उसी के पल्लू में चला गया और सीता की छाया में जाने के बाद उसकी आत्मा भी छोटी हो गई। टोपी और बूढ़ी नौकरानी दोनों में एक-दूसरे के प्रति सद्भाव होने का क्या कारण था? इनके व्यवहार से क्या शिक्षा मिलती है?

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. आपके विद्यालय में खेल-कूद संबंधी सुविधाओं की कमी है। इस ओर ध्यानाकर्षित कराते हुए कक्षा मॉनीटर की ओर से अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने क्षेत्र के विधायक को पत्र लिखकर अपने गाँव में एक बालिका विद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध कीजिए।

15. **स्वास्थ्य की रक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- आवश्यकता
- पोषक भोजन
- लाभकारी सुझाव

अथवा

वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

अथवा

परीक्षा के कठिन दिन विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

16. विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह के आयोजन के लिए आपको संयोजक बनाया गया है। पूरे विद्यालय की सहभागिता के लिए एक सूचना तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

विद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह के आयोजन के लिए आपको संयोजक बनाया गया है। विद्यालय की ओर से सभी विद्यार्थियों के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

17. **लॉकडाउन में गरीब** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आपसे अपने बचत खाते की चैक बुक खो गई है। इस सम्बन्ध में तत्काल उचित कार्यवाही करने के लिए निवेदन करते हुए बैंक प्रबंधक को gm.customer@sbi.co.in एक ईमेल लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

18. पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेलपॉलिश का विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

व्यक्ति चित्त सब समय आदर्शों द्वारा चालित नहीं होता। जितने बड़े पैमाने पर मनुष्य की उन्नति के विधान बनाए गए, उतनी ही मात्रा में लोभ, मोह जैसे विकार भी विस्तृत होते गए, लक्ष्य की बात भूल गए, आदर्शों को मज़ाक का विषय बनाया गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है। यह कुछ थोड़े-से लोगों के बढ़ते हुए लोभ का नतीजा है, परंतु इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे हैं। भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो धर्मभीरू हैं, वे भी त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते।

इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर-बाहर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म कानून से बड़ी चीज़ है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए हैं। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को गलत समझता है, दूसरों को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है।

(i) **(घ)** लोभ
व्याख्या: लोभ

(ii)**(क)** भले लोगों के लिए कानून नहीं चाहिए और बुरे इसकी परवाह नहीं करते हैं।
व्याख्या: भले लोगों के लिए कानून नहीं चाहिए और बुरे इसकी परवाह नहीं करते हैं।

(iii)**(ग)** जीवन में उन्नति के बड़े पैमाने के कारण कहीं छिप से गये हैं।
व्याख्या: जीवन में उन्नति के बड़े पैमाने के कारण कहीं छिप से गये हैं।

(iv)**(ग)** धर्म, कानून से बड़ी चीज़ है।
व्याख्या: धर्म, कानून से बड़ी चीज़ है।

(v)**(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

चंपारण सत्याग्रह के बीच जो लोग गांधी जी के संपर्क में आए वे आगे चलकर देश के निर्माताओं में गिने गए। चंपारण में गांधी जी न सिर्फ सत्य और अहिंसा का सार्वजनिक हितों में प्रयोग कर रहे थे बल्कि हलुवा बनाने से लेकर सिल पर मसाला पीसने और चक्की चलाकर गेहूँ का आटा बनाने की कला भी उन बड़े वकीलों को सिखा रहे थे, जिन्हें गरीबों की अगुवाई की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी। अपने इन आध्यात्मिक प्रयोगों के माध्यम से वे देश की गरीब जनता की सेवा करने और उनकी तकदीर बदलने के साथ देश को आजाद कराने के लिए समर्पित व्यक्तियों की एक ऐसी जमात तैयार करना चाह रहे थे जो सत्याग्रह की भट्ठी में उसी तरह तपकर निखरे, जिस तरह भट्ठी में सोना तपकर निखरता और कीमती बनता है।

गांधी जी की मान्यता थी कि एक प्रतिष्ठित वकील और हज़ामत बनाने वाले हज़्ज़ाम में पेशे के लिहाज़ से कोई फ़र्क नहीं, दोनों की हैसियत एक ही हैं। उन्होंने पसीने की कमाई को सबसे अच्छी कमाई माना और शारीरिक श्रम को अहमियत देते हुए उसे उचित प्रतिष्ठा व सम्मान दिया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

था। कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं, इस मान्यता को उन्होंने प्राथमिकता दी ताकि साधन शुद्धता की बुनियाद पर एक ठीक समाज खड़ा हो सके। आज़ाद हिंदुस्तान आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और आत्म-सम्मानित देश के रूप में विश्व-बिरादरी के बीच अपनी एक खास पहचान बनाए और फिर उसे बरकरार भी रखे।

(i) **(ग)** कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं
व्याख्या: कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं
(ii)**(ख)** मेहनत की कमाई को
व्याख्या: मेहनत की कमाई को
(iii)**(ख)** शारीरिक श्रम को
व्याख्या: शारीरिक श्रम को
(iv)**(क)** साधन शुद्धता की
व्याख्या: साधन शुद्धता की
(v)**(ख)** कथन i, ii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iv सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** मुझे बताओ कि तुम्हारा जन्म कब और कहाँ हुआ था।
व्याख्या: मुझे बताओ कि तुम्हारा जन्म कब और कहाँ हुआ था।
(ii)**(ख)** जब मैं अकेला था तब मुझे चार गुंडों ने पीटा।
व्याख्या: जब मैं अकेला था तब मुझे चार गुंडों ने पीटा।
(iii)**(ग)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: संयुक्त वाक्य
(iv)**(घ)** लड़का बीमार था इसलिए वह घर चला गया।
व्याख्या: यह विकल्प सही है।
समुच्चयबोधक- इसलिए का प्रयोग
कार्य- कारण का सबंध।
(v)**(ख)** मैं आपसे छुट्टी के लिए प्रार्थना करता हूँ।
व्याख्या: मैं आपसे छुट्टी के लिए प्रार्थना करता हूँ।

4. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** क्रिया पदबंध
व्याख्या: क्रिया पदबंध
(ii)**(ग)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध
(iii)**(ग)** क्रियाविशेषण पदबंध
व्याख्या: क्रियाविशेषण पदबंध
(iv)**(क)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v)**(ग)** अव्यय पदबंध
व्याख्या: अव्यय पदबंध

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** नीला है जो कंठ - कर्मधारय समास
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि इस विकल्प में दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य का संबंध है और उत्तर पद 'कंठ' मुख्य है जिसकी विशेषता पूर्व पद 'नीला' में बताई जा रही है।
(ii)**(घ)** बिलकुल स्पष्ट - समास विग्रह
अव्ययीभाव समास - समास का नाम
व्याख्या: यहाँ अव्ययीभाव समास है क्योंकि ये दोनों ही पद अव्यय हैं।
(iii)**(ग)** कर्मधारय समास
व्याख्या: कर्मधारय समास
(iv)**(ग)** लंबा है उदर जिसका अर्थात गणेश - बहुब्रीहि
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि यहाँ न पूर्वपद और न उत्तरपद की प्रधानता है बल्कि अन्य पद अर्थात 'गणेश' पद की प्रधानता है इसलिए यहाँ बहुब्रीहि समास है।
(v)**(क)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** हक्का-बक्का रह जाना
व्याख्या: हक्का-बक्का रह जाना
(ii)**(ग)** घर सिर पर उठा लिया
व्याख्या: घर सिर पर उठा लिया
(iii)**(ख)** सिर पर तलवार लटकना
व्याख्या: सिर पर तलवार लटकना
(iv)**(क)** गिद्ध दृष्टि
व्याख्या: गिद्ध दृष्टि - पैनी नज़र
(v)**(क)** बीड़ा न उठाना
व्याख्या: बीड़ा न उठाना
(vi)**(ग)** गाढ़ी कमाई
व्याख्या: गाढ़ी कमाई -कड़ी मेहनत के बाद अर्जित धन

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(ग)** अहंकार
व्याख्या: 'जब मैं था तब हरि नहीं' - जब तक मनुष्य के मन में अहंकार होता है तब तक उसे ईश्वर की प्राप्ति नहीं होती। अतः इस पंक्ति में मैं का तात्पर्य अहंकार से है।
(ii)**(ख)** सन् 1503 में, जोधपुर के कुड़की गाँव में
व्याख्या: मीरा का जन्म सन् 1503 के आसपास जोधपुर के कुड़की गाँव में हुआ था।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) **(ख)** बलिदान देकर शत्रु को रोकना
व्याख्या: बलिदान देकर शत्रु को रोकना
(ii)**(घ)** शत्रुओं का
व्याख्या: शत्रुओं का
(iii)**(ख)** भारत-चीन युद्ध
व्याख्या: भारत-चीन युद्ध
(iv)**(ग)** मातृभूमि का सम्मान
व्याख्या: मातृभूमि का सम्मान
(v)**(ग)** (i), (iii), (v)
व्याख्या: कवि ने दुश्मन को रावण के रूप में चित्रित किया है। इस देश को सीता के रूप में चित्रित किया गया है। देश की सीमा पर अपने खून से लकीर खींचने की बात की जा रही है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** फणीश्वरनाथ रेणु की
व्याख्या: फणीश्वरनाथ रेणु की
(ii)**(घ)** व्यवहारवादी लोग
व्याख्या: व्यवहारवादी लोग अपने लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कोई काम करते हैं। वे किसी भी हालत में अपनी हानि नहीं चाहते हैं। लेकिन इन लोगों ने समाज को कुछ दिया नहीं है, हमेशा उसे गिराया है।

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
बाइबिल के सोलोमन जिन्हें कुरआन में सुलेमान कहा गया है, ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे। कहा गया है, वह केवल मानव जाति के ही राजा नहीं थे, सारे छोटे बड़े पशु-पक्षी के भी हाकिम थे। वह इन सबकी भाषा भी जानते थे। एक दफा सुलेमान अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुजर रहे थे। रास्ते में कुछ चीटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज सुनी तो डर कर एक-दूसरे से कहा, **आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चलो, फ़ौज आ रही है।** सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए और चीटियों से बोले, **घबराओ नहीं, सुलेमान को खुदा ने सबका रखवाला बनाया है। मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ, सबके लिए मुहब्बत हूँ।**
चीटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और सुलेमान अपनी मंजिल की ओर बढ़ गए।

(i) **(क)** वे मनुष्य और पशु-पक्षियों के रखवाले थे
व्याख्या: वे मनुष्य और पशु-पक्षियों के रखवाले थे
(ii)**(ख)** सारे जीव-जंतुओं का
व्याख्या: सारे जीव-जंतुओं का

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii)**(क)** कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
व्याख्या: कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(iv)**(क)** घोड़े के टाप की आवाज से
व्याख्या: घोड़े के टाप की आवाज से
(v)**(क)** क्योंकि वे चीटियों की भाषा जानते थे
व्याख्या: क्योंकि वे चीटियों की भाषा जानते थे

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) कंपनी बाग में रखी तोप हमें निम्नलिखित सीखें देती है :-
- वह हमें सीख देती है कि अत्याचारी और विनाशकारी तत्व कितने भी ताकतवर क्यों ना हो , उन्हें एक दिन मिटना ही होता है ।
- जितने भी अस्त्र - शस्त्र हैं , वे न्याय के कार्यों में बाधक नहीं बन सकते हैं।
- तोप से हमें ये भी सीख मिलती है कि जिस तोप ने एक जमाने में अनेकों वीर सूरमाओं को मौत के घाट उतार दिया हो ,किन्तु समय बदलने के बाद वो बच्चो और चिड़ियों के मनोरंजन का साधन बन कर रह गई है ।
- इस पाठ से हमें ये भी शिक्षा मिलती है कि विदेशी तत्वों के प्रलोभन में आकर हमें अपने देश और अपने को संकट में नहीं डालना चाहिए ।

(ii)कविता में कवि ने ईश्वर से दुःख कम करने की प्रार्थना नहीं की है , बल्कि वे दुःख के समय में निर्भीक होकर साहसपूर्वक उसका सामना करने की शक्ति प्रदान की कामना ईश्वर से करते हैं। वे विपत्तियों से जूझने की क्षमता प्रदान करने और उन परिस्थितियों में निर्भीक बने रहने की प्रार्थना करते हैं।
वास्तव में कवि अपने दुःखों का भार स्वयं वहन करना चाहता है। वह ईश्वर पर पूरी तरह आश्रित होने के बजाय आत्मनिर्भर होकर अपने आत्मबल से नियति को निर्धारित करने की शक्ति प्राप्त करना चाहता है। वे किसी भी परिस्थिति में ईश्वर पर संशय नहीं करना चाहते हैं । वे अपने जीवन के कष्टों को अपने साहस और पुरुषार्थ से समाप्त कर आगे बढ़ना चाहते हैं ।

(iii)प्रर्वतीय प्रदेश में बहुत से पेड़ पर्वत पर उगे हैं | जिन्हे देखकर लगता है कि वे पहाड़ के सीने पर उगे हैं। ये पेड़ मनुष्य की ऊँची आकांक्षाओं के समान हैं। जिस प्रकार मनुष्य अपनी आकांक्षाओं को पूरी करने के लिए चिंतित रहता है, उसी प्रकार ये पेड़ भी अटल और अपलक होकर चिंतित भाव से आकाश की ओर देखे रहे हैं जैसे अपनी महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति का उपाय सोच रहे हों। इनके माध्यम से कवि मनुष्यों को ऊँचा उठने के लिए प्रोत्साहित करते हैं |
दूसरी ओर पर्वत के पास उगे पेड़ वर्षा होने और धुँध के कारण अस्पष्ट से दिखाई दे रहे हैं। बादल के गरजने से ऐसा प्रतीत होता है कि पहाड़ अपने चमकीले पंख फड़फड़ाकर उड़ गए हों | और अचानक से सारे झरने इस प्रकार शांत हो जाते हैं जैसे कि पूरा सन्नाटा छाया हो | ऐसा लगता है कि अचानक होने वाली मूसलाधार वर्षा और धुँध से आकाश धरती पर टूट पद हो तथा पर्वत के पास उगे हुए शाल के पेड़ भयभीत होकर ये पेड़ धरती में धँस गए हों।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) पाठ के अनुसार कक्षा में प्रथम आने पर छोटे भाई के स्वभाव में बहुत अंतर आ गया था। उसे स्वयं पर थोड़ा अभिमान हो गया था।उसके बड़े भाई जो उसे उपदेश देते थे, वो खुद फेल हो गए थे। उसे लगने लगा था कि बड़े भाई साहब उसे उपदेश देते थे।इसीलिए अब उसे उनकी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

डाँट का भय भी नहीं रहा था। उसको यह लगने लगा था कि वह कम मेहनत करके भी पास हो जाएगा। उस पर बड़े भाई का पुराना आतंक अब नहीं रहा।

(ii)इसका तात्पर्य है कि वज़ीर अली के पास मुट्ठी भर आदमी थे, अर्थात बहुत कम आदमियों की सहायता या साथ था, फिर भी इतनी शक्ति और दृढ़ता का परिचय देना कमाल की बात थी। सालों से जंगल में रहने पर भी स्वयं कर्नल, उनकी सेना का बड़ा समूह, जो बहु-संख्या में युद्ध-सामग्री से लैस था, मिलकर भी उसे पकड़ नहीं पाए थे। उसकी अदम्य शक्ति और दृढ़ता को जीत नहीं पाए थे। उस जाँबाज सिपाही को पकड़ नहीं पाए थे अर्थात वह हर काम इतनी सावधानी तथा होशियारी से करता था कि उसने व उसके मुट्ठी भर आदमियों ने ही कर्नल के इतने बड़े सेना-समूह की नाक में दम कर दिया था।

(iii)26 जनवरी, 1931 को जुलूस निकालने में सुभाष बाबू की बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। वह खुद जुलूस का नेतृत्व कर रहे थे और ठीक चार बजकर दस मिनट पर जुलूस लेकर आ गए थे। पुलिस ने उनको चौरंगी पर रोकने का प्रयास किया, परंतु असफल रही। मैदान के मोड़ पर पुलिस ने उन पर लाठियाँ भी चलाईं। ज्योतिर्मय गांगुली ने उन्हें पीछे हटने के लिए भी कहा परंतु वे आगे बढ़ते रहे। वह ज़ोर-ज़ोर से वंदे मातरम् बोलकर सबका उत्साह बढाने का काम कर रहे थे। उन्हें गिरफ्तार भी किया गया।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) मीडिया का साधन समाज में एक विशेष स्थान है। आज मीडिया समाज की हर घटना को लोगों के सामने लाने का काम कर रही है। मीडिया ने कई असहायक, अपंग, वृद्ध, मानसिक रूप से कमज़ोर व्यक्तियों के जीवन पर रिपोर्टिंग करके उनके जीवन की समस्याओं के प्रति समाज का ध्यान आकृष्ट करने का कार्य किया है। यदि हरिहर काका के गाँव में मीडिया पहुँच होती तो उन्हें वे सब परेशानियाँ और दुःख नहीं झेलने पड़ते, जो उन्होंने झेले। मीडिया आकर हरिरहर काका के ऊपर होने वाली जुल्म को पर्दाफाश कर देते थे।
उनकी इस स्थिति का पता चलने पर मीडिया उनकी कहानी को समाज के सामने रखती, जिससे उनकी समस्या का समाधान आसानी से निकल पाता। में होती तो न तो ठाकुरबारी के साधु-संत एवं महंत और उनके सगे भाइयों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सकती थी।

(ii)पाठ के अनुसार नई श्रेणी में जाने के लिए बच्चे अत्यधिक उत्साहित होते हैं। वे अगले कक्षा में जाने को व्याकुल होते हैं क्योंकि वहाँ पर उन्हें नई किताबें और कॉपियाँ मिलती हैं । नई किताबें को देखकर बच्चों के मन में पढ़ाई के लिए ताजगी और ऊर्जा बढ़ जाती है।
किन्तु लेखक के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण उनको अपने लिए नई पुस्तकों को खरीदना संभव नहीं था। लेखक को नई कक्षा में कॉपियाँ तो नई मिल जाती थी पर किताबें पुरानी ही मिलती थी। इसी कारण से लेखक का बालमन अपनी नई कॉपियों और पुराने किताबों से आती विशेष गंध से उदास हो जाता था।

(iii)घर में टोपी और बूढ़ी नौकरानी की दशा एक जैसी ही थी। घर के छोटे-बड़े सब उन्हें डाँटते-फटकारते थे। बूढ़ी नौकरानी सीता को तो यह सब चुपचाप सह लेने का अनुभव था। जब भी टोपी किसी बात पर दादी या घर के अन्य सदस्य का विरोध करता तो उसे माँ से पिटाई खानी पड़ती। ऐसे में सीता उसे अपनी कोठरी में ले जाकर समझाती। सीता के आँचल में जाकर टोपी को भी सुकून मिलता था। उनके इस व्यवहार से हमें यह शिक्षा मिलती है कि पीड़ा या कष्ट की स्थिति में एक-दूसरे का सहारा बनने से एक संबल मिलता है। यदि व्यक्ति को लगता है कि हमारे साथ कोई है जिससे वह अपना दुःख-दर्द बाँट सकता है तो वह सुकून का अनुभव करता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. प्रधानाचार्य जी,
राजकीय वरिष्ठ मा० बाल विद्यालय,
सेक्टर 8, द्वारका, दिल्ली।
01 मार्च, 2019

विषय- खेल-कूद संबंधी सुविधाओं के अभाव के संबंध में

महोदय,

विनम्र निवेदन यह है कि मैं इस विद्यालय की नौवीं 'स' कक्षा का मॉनीटर हूँ। यह विद्यालय पठन-पाठन की उत्तम व्यवस्था एवं उच्च शिक्षण व्यवस्था के लिए प्रसिद्ध है, जिसका प्रमाण विगत कई वर्षों का उच्च परीक्षा परिणाम है।

श्रीमान जी, विद्यालय में यदि किसी चीज़ की कमी खटकती है तो वह खेल-कूद संबंधी सुविधाओं की। हम छात्र प्रतिवर्ष खेल प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेते हैं पर कोई पुरस्कार या उपलब्धि अर्जित नहीं कर पाते हैं। कई साल पहले हमारा विद्यालय खेलों में भी पदक जीता करता था। खेल-कूद के लिए जो सामान हमें दिए जाते हैं वे पुराने तथा टूटे-फूटे होते हैं, जिनसे अभ्यास नहीं हो पाता है। इसके अलावा इस विद्यालय में दो साल से क्रीड़ा अध्यापक भी नहीं हैं, जिससे हमारा अभ्यास प्रभावित होता है।

आपसे प्रार्थना है कि खेलों के नए सामान खरीद कर खेल-कूद संबंधी सुविधाएँ बढ़ाने की कृपा करें ताकि खेल-कूद में भी हम छात्र पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाएँ।

धन्यवाद सहित।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
गोविन्द सिंह,
मॉनीटर नौवीं 'अ'

अथवा

सेवा में,
माननीय विद्यायक जी
बिजवासन विधान सभा
विधायक निवास
स्टेशन रोड, बिजवासन

विषय- साध नगर में बालिका विद्यालय की स्थापना के संदर्भ में

महोदय,

साध नगर बिजवासन विधान सभा क्षेत्र का एक बड़ा गाँव है किन्तु वहाँ बालिकाओं कि उच्च शिक्षा के लिए कोई विद्यालय नही है। यहाँ कक्षा आठ के उपरान्त बालिकाओं की शिक्षा का कोई प्रबन्ध नहीं है । परिणामतः इस क्षेत्र की लड़कियाँ कक्षा आठ के उपरान्त घर पर बैठ जाती हैं, आगे पढ़ाई नहीं कर पातीं , ग्रामीण माता-पिता भी उन्हें शहर भेजना नहीं चाहते | कुछ लोगों ने साहस दिखाया लेकिन उन्हें बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

आपसे अनुरोध है कि इस क्षेत्र में बालिकाओं के लिये एक सरकारी इण्टर कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज खुलवा दें। इससे क्षेत्र की लड़कियों का बहुत भला होगा और शिक्षा क्षेत्र में वे प्रगति कर सकेंगी और गाँव में स्वस्थ वातावरण का निर्माण हो पाएगा।

आशा है आप हमारी प्रार्थना को स्वीकार कर इस दिशा में सक्रिय प्रयास करेंगे।

सधन्यवाद

15. **स्वास्थ्य की रक्षा**

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है। स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।

हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें।

अथवा

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। परस्पर सहयोग उसके जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है। परस्पर सहयोग के अभाव में समाज का अस्तित्व ही नहीं रह जाता। व्यक्ति को पग-पग पर दूसरों के सहयोग और सहायता की आवश्यकता पड़ती है। व्यास जी ने कहा है-परहित साधन ही पुण्य है और दूसरों को कष्ट देना ही पाप है। परोपकार के समान दूसरा धर्म नहीं है। परोपकार का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रकृति में देखने को मिलता है। मेघ दूसरों के लिए वर्षा करते हैं, वायु दूसरों के लिए चलती है तथा सरिता भी दूसरों की प्यास बुझाने के लिए बहती है। पुष्पअपनी सुगन्ध बिखेरकर, वृक्ष स्वयं धूप सहकर और पथिकों को छाया प्रदान करके हमें परोपकार की प्रेरणा देते प्रतीत होते हैं। परोपकार करने वाला मनुष्य पूज्य बन जाता है। परहित के कारण गाँधी जी ने गोलियाँ खाईं, सुकरात ने जहर पिया तथा राजा शिवि ने बाज के आक्रमण से भयभीत कबूतर की रक्षा के लिए अपने शरीर का माँस दिया, ऋषि दधीचि ने मानव कल्याण के लिए स्वेच्छा से अपनी अस्थियाँ दान करके सम्पूर्ण मानवता को वृत्रासुर के अत्याचारों से मुक्त कराया। बुद्ध, महावीर जैसे महापुरुषों ने तृप्त मानवता को परोपकार का पावन मार्ग दिखाया। पंचशील का सिद्धान्त भी परोपकार की ही देन है। अपने लिए तो पशु भी जी लेते हैं। परोपकार इसी कारण मानवीय वृत्ति है। मनुष्य की परिभाषा देते हुए कवि ने कहा है- वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए जिए।

अथवा

वास्तव में परीक्षा के दिन कठिन उन विद्यार्थियों के लिए होते हैं, जो परीक्षा से जूझने के लिए, परीक्षा में खरा उतरने के लिए, पहले से ही समय के साथ-साथ तैयारी नहीं करते। जो विद्यार्थी प्रतिदिन की कक्षाओं के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी भी करते जाते हैं, उन्हें परीक्षा का सामना करने से डर नहीं लगता। वे तो परीक्षा का इंतजार करते हैं। उन्हें परीक्षा के दिन कठिन नहीं, सुखद लगते हैं। वे परीक्षा की कसौटी पर खरा उतरना चाहते हैं और खरा उतरना जानते भी हैं, क्योंकि जिस प्रकार सोने को कसौटी पर परखा जाता है, उसी प्रकार विद्यार्थी की योग्यता की परख परीक्षा की कसौटी पर होती है। यही एक प्रत्यक्ष प्रमाण या मापदण्ड होता है, जिससे परीक्षार्थी के योग्यता-स्तर को जाँच कर उसे अगली कक्षा में प्रवेश के लिए या नौकरी के योग्य समझा जाता है।

परीक्षा तो विद्यार्थियों को गंभीरतापूर्वक अध्ययन करने के लिए कहती है। परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रतिभाशाली विद्यार्थी परीक्षा की डटकर तैयारी करते हैं, उन्हें परीक्षा से डर नहीं लगता। परीक्षा विद्यार्थियों में स्पर्धा की भावना भरती है तथा उनकी आलसी प्रवृत्ति को झकझोर कर परिश्रम करने में सहायक बनती है। परीक्षा तो परीक्षा ही होती है। पर परीक्षा-पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थी की शिक्षा का मूल उद्देश्य पूरा हो, उसकी योग्यता की सही जाँच हो और उसे परीक्षा के दिन कठिन न लगें। इसके लिए सार्थक प्रयास करने होंगे और ये प्रयास तभी सफल होंगे, जब उन्हें सुनियोजित योजना के तहत लागू किया जाएगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

16.

केंद्रीय विद्यालय
रमेश नगर, उ.प्र.
सूचना
वृक्षारोपण कार्यक्रम संबंधी सूचना

दिनांक 26/2/....

भूमि संरक्षण एवं प्रकृति संरक्षण हेतु विद्यालय में वृक्षारोपण समारोह का आयोजन दिनांक 14/3/..... को किया जा रहा है। इसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थियों, अध्यापक-गण व अन्य कर्मचारी, सभी की सहभागिता अनिवार्य है। यह कार्यक्रम प्रातः 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा। इसकी विशिष्ट अतिथि श्रीमती आशा शर्मा (पुलिस अधीक्षक) हैं।

संयोजक
रोहन भार्गव
(सचिव)

अथवा

सूचना

दिनांक ....

समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय ऑडिटोरियम में दिनांक - 15/09/20XX को सायं 4 बजे से वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया जायेगा। सभी विद्यार्थी विद्यालयी गणवेश में अपने अभिभावकों के साथ आयें। दीप प्रज्वलन लघुनाटिका, नृत्य, गीत-संगीत, पुरस्कार वितरण आदि कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है।

गोविंद वर्मा
(संयोजक)

17.

लॉकडाउन में गरीब

ये वाकया उस वक्त का है जब पूरे देश में कोरोना के कारण लॉकडाउन लगा हुआ था। मैं जहाँ रहता हूँ, वहाँ से थोड़ी दूर एक बस्ती है जिसमें गरीब मजदूर रहते हैं। हुआ ऐसा कि एकदिन मैं वहाँ से गुजर रहा था, तो मैंने एक झोपड़े से कुछ आवाजें सुनी। उस घर के बच्चे भूखे थे और वे खाना माँग रहे थे। मैंने पास ही खड़े एक आदमी से पूछा कि कुछ कठिनाई है क्या? मेरी बात सुनकर वो बोला कि बंदी होने के कारण सारे काम बंद हैं और काम नहीं होने के कारण हमें पैसे नहीं मिल रहे हैं।

लगभग पूरे बस्ती की यही स्थिति थी कि सभी घरों में खाने की सामग्री या तो नहीं थी या फिर बहुत कम थी। इस पर मैंने उनसे पूछा कि सरकार ने तो सभी के लिए खाने की व्यवस्था मुफ्त में की है, तो उनमें से एक ने कहा कि हम अपना राशन लेने के लिए गए थे लेकिन हमें कुछ भी नहीं मिला और हमें बताया गया कि अनाज आया ही नहीं है।

मैं और मेरे कुछ दोस्तों ने मिलकर इनकी मदद करने की ठानी। हम सभी अपने घरों से कुछ राशन लेकर आए और आस पास और लोगों को भी मदद के लिए प्रोत्साहित किया ताकि 2-3 दिन के लिए उन्हें भोजन मिल जाए। इसी बीच एक NGO ने आकर उनके भोजन की व्यवस्था करने का भरोसा दिया।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: gm.customer@sbi.co.in
CC ...
BCC ...
विषय - चैक बुक खो जाने के संबंध में
महोदय,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मैं आपकी शाखा का नियमित उपभोक्ता है और मेरी बचत खाता संख्या 6918 आपकी शाखा में ही हैं। जिसमें (लगभग 55,000/-रु.) जमा हैं। मैंने कुछ दिन पहले आपके बैंक से एक चेकबुक 20 चेकों की ली थी, जिसमें से अभी तक केवल 2 चेक ही निर्गत हुए हैं। अभी 18 चेक उसमें मौजूद हैं। कल शाम को मेरा बैग विकासपुरी से कैलाशपुरी आते समय गाड़ी से कहीं गिर गया है जिसमें कुछ कागजातों के साथ चेकबुक भी थी, काफी प्रयास के बाद भी नहीं मिली। आप उस चेकबुक के किसी भी चेक का भुगतान मेरे खाते से रोकने का कष्ट करें अन्यथा मैं भरी संकट में पड़ जाऊँगा। इस पत्र के साथ अन्य आवश्यक कागज जैसे पासबुक,आधारकार्ड आदि संलग्न हैं। यद्यपि इस विषय में मैंने अपने क्षेत्रीय थाने में भी सूचना दर्ज करा दी है।
पवन

आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ, जीवन को खुशहाल बनाएँ
पर्यावरण संरक्षण करके, धरती माँ की गोद सजाएं।
आओ लें
एक सबत्प
पर्यावरण संरक्षण का
प्रकृति से प्रेम करें जल बचाएँ वृक्ष लगाएँ
18. स्वच्छ एवं सुरक्षित रहे हमारा पर्यावरण यह संकल्प लें।

अथवा

कीमत केवल 100 रूपये (6 पैकेट)

"नाखूनों की शान बढ़ाती
सुंदरता में चार चाँद लगाती
सबके मन को लुभाती
श्रृंगार नेलपोलिश"

""""श्रृंगार नेलपॉलिश""""
आकर्षक रंगो में उपलब्ध
सस्ती सुंदर और टिकाऊ
सभी प्रमुख स्टोर्स में उपलब्ध

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in